प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
पंतनगर, जिला– ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

विष्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय जीआईएएन पाठ्यक्रम का शुभारंभ

पंतनगर। 21 अप्रैल 2025। विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अंतर्गत मृदा एवं जल संरक्षण अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित ग्लोबल इनीसीएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्कस अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम का आज शुभारंभ हुआ। यह पाठ्यक्रम 'स्थायी एवं सुरक्षित पर्यावरण की दिशा में औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन' विषय पर आधारित है, जो 21 से 25 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. एस.एस. गुप्ता, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशक डा. एच.जे. शिव प्रसाद, पाठ्यक्रम समन्वयक डा. दीपक कुमार एवं महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर से कुल 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें से 28 प्रतिभागी विश्वविद्यालय के बाहर से एवं 22 प्रतिभागी विश्वविद्यालय के अंदर से शामिल हुए, जिसमें 32 प्रतिशत प्रतिभागी महिलाएँ रहीं, जो महिला भागीदारी को दर्शाता है। इस पाठ्यक्रम में व्याख्यान, ट्यूटोरियल तथा औद्योगिक भ्रमण को शामिल किया गया है। प्रतिभागियों को औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन के जैविक उपचार, पुनर्चक्रण, शून्य निर्वहन नीति, भारी धातुओं के निवारण और प्रदूषण निवारण तकनीकों पर गहन जानकारी दी जाएगी।

मुख्य वक्ता डा. विजय कुबसद, जो वाशिंगटन स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ इकोलॉजी, यूएसए में वरिष्ठ पर्यावरण अभियंता तथा वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर हैं, ने आज के उद्घाटन सत्र में महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान दिया। उनके पास औद्योगिक अपशिष्ट जल प्रबंधन, पर्यावरण नियमन और अपशिष्ट उपचार तकनीकों में 30 वर्षों से अधिक का अंतर्राष्ट्रीय अनुभव है। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से पीएच.डी. और ऑस्ट्रेलिया से शोध कार्य किया है। अपने व्याख्यान में डा. कुबसद ने औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार, पुनर्चक्रण, और प्रदूषण नियंत्रण की आधुनिक तकनीकों व वैश्विक अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। यह कार्यक्रम न केवल शैक्षणिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि औद्योगिक और पर्यावरणीय प्रबंधन के क्षेत्र में सतत विकास को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक ठोस प्रयास भी है।

ई. मेल चित्र सं. 1. कार्यक्रम में संबोधित करते मुख्य वक्ता।

निदेशक संचार